भागअ- परिचय				
कार्यक्रम: स्नातक प्रमाणपत्र		कक्षा: बी.ए.	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2025-2026
विषय: समाजशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	C 2		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएं एवं प्रक्रियाएं		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र : किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करना ।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. इस पाठ्यक्रम की रचना भारतीय समाज की सामाजिक सांस्कृतिक विविधता की विलक्षण विशेषता तथा सामाजिक प्रक्रियाओं जो कि सामाजिक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से की गयी है। 2. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी भारत में विवाह परिवार एवं नातेदारी व्यवस्था के विभिन्न स्वरूपों के बारे में जान सकेंगे। 3. समाजीकरण की प्रक्रिया की सैद्धांतिक जानकारी विद्यार्थियों को मानव प्राणी से सामाजिक प्राणी के रूपांतरण की प्रक्रिया को समझने में सक्षम बनाता है। 4. विभिन्न प्रकार की सामाजिक प्रक्रियाओं की अवधारणात्मक समझ विद्यार्थियों में विभिन्न सामाजिक मुद्दों से निपटने में विश्लेषणात्मक क्षमता को समृद्ध करती है। 5. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को विघटनकारी सामाजिक प्रक्रियाओं के निहितार्थ की समालोचनात्मक विश्लेषण में सक्षम बनाता है। 6. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन की शक्तियों जैसे आधुनिकीकरण संस्कृतिकरण तथा नगरीकरण को समझने में सक्षम बनाता है।		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु				
व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रतिसप्ताह घंटे में):L-T-P: 02-00-00= प्रति सप्ताह				

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (01 घण्टा)
प्रथम	**भारतीय सामाजिक संस्थाएँ** 1. परिवार व्यवस्था: अर्थ, विशेषता, प्रकार एवं महत्व 2. विवाह संस्था: अर्थ, विशेषता, प्रकार, महत्व, वैदिक परम्परा में विवाह 3. नातेदारी : अर्थ,विशेषता, महत्व	18
	सारबिन्दु- विवाह संस्था, वैदिक परम्परा में विवाह, नातेदारी	
	गतिविधि - विद्यार्थी द्वारा अपने परिवार के नातेदारी सम्बन्धी अथवा वंशावली का वृक्षचार्ट बनाना। वैवाहिक नियमों पर आधारित परियोजना कार्य।	
द्वितीय	**समाजीकरण** 1. समाजीकरण : अर्थ, विशेषता, प्रकार 2. समाजीकरण के सोपान 3. भारत में समाजीकरण के प्रमुख अभिकरण 4. समाजीकरण के सिद्वांत	18
	सारबिन्दु- समाजीकरण, प्रकार, सोपान, अभिकरण,सिद्वांत	
	गतिविधि - समाजीकरण की प्रक्रिया में संस्कारों के महत्व पर कक्षा में परिचर्चा का आयोजन।	
तृतीय	**सहयोगात्मक सामाजिक प्रक्रियाएं एवं अर्न्तसंबंध** 1. सामाजिक प्रक्रिया : अर्थ, विशेषताएं, प्रकार 2. सहयोगात्मक सामाजिक प्रक्रिया (अर्थ, विशेषता, महत्व) 2.1. सहयोग 2.2. व्यवस्थापन 2.3. सात्मीकरण	18
	सारबिन्दु- सामाजिक प्रक्रिया, सहयोग, व्यवस्थापन, सात्मीकरण	
	गतिविधि - 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय सकंल्पना पर निबंध लेखन प्रतियोगिता।	
चतुर्थ	**पाश्चात्य प्रभाव: सामाजिक प्रक्रियाएं एवं अवधारणाएं (अर्थ, विशेषता, दुष्परिणाम)** 1. प्रतिस्पर्धा 2. संघर्ष	18

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	3. सामाजिक विचलन 4. सांस्कृतिक भ्रम	
	सारबिन्दु- प्रतिस्पर्धा, सामाजिक विचलन, सांस्कृतिक भ्रम	
	गतिविधि - दैनिक, समाचारपत्रों पर आधारित उपरोक्त सकंल्पनाओं का अर्न्तवस्तु विश्लेषण। प्रतिस्पर्धा एवं सास्कृतिक भ्रम पर कक्षा में समूह चर्चा।	
पंचम	**सामाजिक -सांस्कृतिक परिवर्तन की प्रक्रियाएं (अर्थ, विशेषता,कारण एवं परिणाम)** 1. आधुनिकीकरण 2. नगरीकरण 3. संस्कृतिकरण	18
	सारबिन्दु- आधुनिकीकरण, नगरीकरण, संस्कृतिकरण	
	गतिविधि - सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन की प्रक्रियाओं एवं परिणामों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन ।	
	कुल व्याख्यान	90 घण्टें

भागस- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. भदौरिया एस.एस., पाटिल अशोक डी.(2021), समाजशास्त्र ,मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल
2. गुप्ता अशेष दास (2023): समाजशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएंभाल्व पब्लिकेशन, भोपाल
3. हुसैन मुजतबा(2008): प्रारंभिक समाजशास्त्र, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
4. मिश्र पंकज,रामेश्वर ,अद्वितीय समाजशास्त्र---प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली
5. महाजन धर्मवीर: परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र,राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
6. महाजन धर्मवीर ,कमलेश महाजन : समाजशास्त्र विवेक प्रकाशन नई दिल्ली
7. परिमल बी कर:समाजशास्त्र ,जवाहर पब्लिशर्स, नई दिल्ली
8. सिंह जे.पी.(2019) तृतीय संस्करण,समाजशास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत ,पीएचआई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली
9. सिंघी नरेन्द्र कुमार , गोस्वामी वसुधाकर(25वां सं.) : समाजशास्त्र विवेचन , राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
10. Ahuja, Ram (2001): Indian Social System, New Delhi, Rawat Publication.
11. Bierstedt, Robert (1970) Social Order . Tata mcGraw Hill Publication Company limited,New Delhi.
12. Dube, S.C. (1988) Modernization and Development: the Search for Alternative Paradigm,Vista ,New Delhi

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

13. Dube, S.C. (1992): Understanding Change. Vikas Publishing House: New Delhi.
14. Gillin J.L. and Gillin J.P. (1948)An Introduction to Sociology, New York mac millan .
15. Gisbert P.(2010): Fundamental of Sociology, New Delhi,OrientBlackswan.
16. Seema,Sangwan (Nitin2023): Essential Sociology,LexisNexis,Delhi.

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities/ MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकत मअंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE): 30	क्लासटेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	**कुलअंक : 30**
आकलन : 70 **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	**अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)** **अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	**कुलअंक 70**

कोईटिप्पणी/सुझाव:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

Part A Introduction				
Program: U.G. Certificate		**Class: B.A.**	**Year: First Year**	**Session:2025-26**
Subject: Sociology				
1	**Course Code**	**C 2**		
2	**Course Title**	**Indian Social-Cultural Institutions and Processes.**		
3	**Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/ Vocational/)**	**Core course**		
4	**Pre-requisite (if any)**	Higher Secondary Certificate : Completion of 10+2 Or equivalent examination from a recognized board.		
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	1.The course is designed with the objective to provide knowledge about unique feature of socio-cultural diversity of Indian Society and social process that plays crucial role in formation of system . 2.By studying this course students be able to know about various forms of marriage family and kinship in India 3.Theoretical knowledge about socialization process enable students to understand the process of transformation of human being into social being. 4.Conceptual understanding of various types of social process enrich analytical capabilities amongst students to deal with various social issues. 5. The course enable students to critically analyze the implications of disintegrative social process. 6. The course enable students to understand social change forces like modernization, sanskritization and urbanization		
6	**Credit Value**	06		
7	**Total Marks**	Max. Marks : 30+70	Min. Passing Marks :35	

Part B-Content of the Course		
Total No.of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):L-T-P:02-00-00=		
Unit	**Topics**	**No.ofLectures (1 Hour Each)**
I	Indian Social Institutions 1. Family System: Meaning, Characteristics, Types and Importance 2. Marriage Institution: Meaning, Characteristics, Types, Importance, Marriage in Vedic Tradition	**18**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	3. Kinship: Meaning, Characteristics, Importance	
	Key word-Institution of marriage, marriage in Vedic tradition, kinship	
	Activity-* Student to make a tree chart of kinship or genealogy of his family. * Project work based on marriage rules.	
II	Socialization 1. Socialization: Meaning, Characteristics, Types 2. Steps of Socialization 3. Major Agencies of Socialization in India 4. Theories of Socialization	**18**
	Key word-Socialization, Types, Steps, Agencies, Theories	
	Activity-Organize an in class discussion on the importance ofsanskaras in the process of socialization.	
III	Associative Social Processes & interrelationship 1. Social Process: Meaning, Characteristics, Types 2. Associative Social Processes (Meaning, Characteristics, Importance) 2.1. Co-operation 2.2. Accommodation 2.3. Assimilation	**18**
	Key word-Social process, Co-operation, Accommodation, Assimilation	
	Activity-Essay writing competition on Indian concept of 'Vasudhaiva Kutumbakam'.	
IV	Western influence social processes and concepts (meaning, characteristics, negative Consequences) 1. Competition 2. Conflict 3. Social deviation 4. Cultural Confusion	**18**
	Key word-Competition, social deviation, cultural Confusion	
	Activity-* Content analysis of the above mentioned concepts based on the news of daily newspapers. * In-Class Group discussion on Competition and Cultural	

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

	Confusion.	
V	Processes of Socio-Cultural Change (Meaning, Characteristics, factors and Consequences) 1. Sanskritization 2. Urbanization 3. Modernization	**18**
	Key word-Modernization, Urbanization, Sanskritization	
	Activity- Organizing a speech competition on the processes and outcomes of socio-cultural changes.	
	Total Lectures	**90 Hours**

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

PartC-LearningResources
TextBooks,ReferenceBooks,Otherre sources
SuggestedReadings: 1. भदौरिया एस.एस., पाटिल अशोक डी.(2021), समाजशास्त्र ,मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल 2. गुप्ता अशेष दास (2023): समाजशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएंभाल्व पब्लिकेशन, भोपाल 3. हुसैन मुजतबा(2008): प्रारंभिक समाजशास्त्र, जवाहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स 4. मिश्र पंकज,रामेश्वर ,अद्वितीय समाजशास्त्र---प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली 5. महाजन धर्मवीर: परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र,राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी 6. महाजन धर्मवीर ,कमलेश महाजन : समाजशास्त्र विवेक प्रकाशन नई दिल्ली 7. परिमल बी कर:समाजशास्त्र ,जवाहर पब्लिशर्स, नई दिल्ली 8. सिंह जे.पी.(2019) तृतीय संस्करण,समाजशास्त्र अवधारणाएं एवं सिद्धांत ,पीएचआई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली 9. सिंघी नरेन्द्र कुमार , गोस्वामी वसुधाकर(25वां सं.) : समाजशास्त्र विवेचन , राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी 10. Ahuja, Ram (2001): Indian Social System, New Delhi, Rawat Publication. 11. Bierstedt, Robert (1970) Social Order . Tata mcGraw Hill Publication Company limited,New Delhi. 12. Dube, S.C. (1988) Modernization and Development: the Search for Alternative Paradigm,Vistar ,New Delhi 13. Dube, S.C. (1992): Understanding Change. Vikas Publishing House: New Delhi. 14. Gillin J.L. and Gillin J.P. (1948)An Introduction to Sociology, New York mac millan . 15. Gisbert P.(2010): Fundamental of Sociology, New Delhi,Orient Blackswan. 16. Seema,Sangwan (Nitin2023): Essential Sociology,Lexis Nexis,Delhi.
Suggested equivalent online courses: https://nios.ac.in/online-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)

IGNOU & Other centrally/state operated Universities / MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:
Maximum Marks:100
Continuous Comprehensive Evaluation(CCE):30 marks University Exam (UE) 70marks

Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation(CCE):30	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section: 70 Time:03.00Hours	**Section(A) Very** Short Questions- 3(50 Words) **Section(B):**Short Questions -4 (200 Words) **Section(C):**Long Questions -2(500 Words)	70

Any remarks/ suggestions:

डॉ. ममता बाजपेयी
अध्यक्ष, समाजशास्त्र
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड वि.वि. छतरपुर (म.प्र.)